अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

दिसम्बर 2021 अंक 281

अध्यक्षीय कार्यालय
NEELAM SETHIA
28/1 Shivaya Nagar 4th Cross
Reddiyur, Salem 636004. (TN)
9952426060
neelamsethia@gmail.com

अध्यक्षीय अनुभूति

समझनी है जिन्दगी तो पीछे देखो।
जीनी है जिन्दगी तो आगे देखो।।

सम्माननीय बहनों,

वर्ष बीतता चला गया। गुजरे हुए वक्त ने हमारे नाम अनेकों पैगाम भेजे जो कुछ अंशों में अपनाए गए तो कुछ नजरअन्दाज भी किए गए। समय निर्बाध है, गतिशील है। समय ने दीवार पर लगी घड़ी के माध्यम से सदैव संदेशा दिया है कि –

1 बजे – एकत्व भावना अपनाओ
2 बजे – राग–द्वेष के बन्धन को छोड़ो
3 बजे – देव–गुरु–धर्म पर श्रद्धा रखो
4 बजे – चार कषायों से दूर रहो
5 बजे – पांच इन्द्रियों को वश में रखो
6 बजे – छः काय के जीवों की हिंसा से बचो
7 बजे – सात कुव्यसनों से दूर रहो
8 बजे – आठ कर्मों का क्षय करो
9 बजे – नोकषायों का त्याग करो
10 बजे – दस मिथ्यात्वों से दूर रहो
11 बजे – श्रावक की ग्यारह प्रतिमाएं धारण करो
12 बजे – बारह भावनाओं को अपनाओ

टिक–टिक के स्वर में घड़ी प्रत्येक बारह घण्टे हमें समझाने का प्रयास करती आ रही है। उसकी सुन्दरता तो देखिए! पुनः एक पर आती है और हमें समझाने का प्रयास निरन्तर जारी रखती है। वर्ष परिवर्तन में एक माह बाकी है। इस एक माह में भीतर की सैर करें और अंतर्यात्रा में देखें कि क्या आप सुकून का अनुभव कर रहे हैं? यदि नहीं, तो घड़ी द्वारा प्रदत्त संदेश को जीवन में उतारने का प्रयास करें। कृत कार्यों का स्व–आकलन करते हुए आने वाले नव वर्ष में सत्कार्यों हेतु संकल्पित हों।

गत माह हमने चातुर्मासिक प्रतिक्रमण कर आत्मावलोचन किया एवं कलुषताओं को दूर करने का प्रयास किया। प्रतिक्रमण के प्रत्येक शब्द हमारे कानों में गूंजते रहें और हमें यह अहसास दिलाते रहें कि कभी कोई अतिक्रमण ही ना हो। नव वर्ष में प्रवेश करते समय हमें बाह्यान्तर के साथ आभ्यन्तर भी कलुषता मुक्त रहना है। जिन्दगी से कुछ सीखना है तो पीछे देखना होगा और वहां रही गलतियों का परिष्कार करना होगा।

दूसरों की गलतियां देखना आसान है, स्वयं की मुश्किल। दूसरों को दुःख देना आसान है, स्वयं को heal करना मुश्किल। दूसरों के लिए नियम बनाना आसान है, स्वयं उस पर चलना मुश्किल। दूसरों की बातें करना आसान है, वक्त पर काम आना मुश्किल।

अतीत का सिंहावलोकन करें और जानें कि उपरोक्त मार्ग में से आपने कौन सा मार्ग अपनाया है? आसान या मुश्किल? यदि अब तक आसान पथ का अनुसरण किया है, तो संभवतः लक्षित मंजिल दूर है। लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उपरोक्त सही राह का चयन आज ही करें।

नए मूल्य, नए मापदण्ड, नई क्षमताएं, नए सपने और नए बदलाव की रफ्तार इतनी तेज है मानो कल की स्याही सूख भी नहीं पाती और आज नए पृष्ठ लिख दिए जाते हैं। आवश्यकता है कि हम बदलते परिवेश में समय का सदुपयोग करें, उसे व्यर्थ न गंवाते हुए सत्पुरुषार्थ एवं आत्मोद्धार का मार्ग अपनाएं।

अफ्रीका में एक मनोवैज्ञानिक ने एक basket में नाना प्रकार के Gifts भरे और कुछ बच्चों को दूरी से दौड़ने के लिए कहा। शर्त थी कि जो बच्चा दौड़ में प्रथम आएगा, उसे basket ईनाम स्वरूप मिलेगी। दौड़ प्रारंभ होते ही सभी बच्चों ने आपस में हाथ पकड़ा और एक साथ दौड़ पड़े तथा गंतव्य पर पहुंचकर gifts को आपस में बांट लिया। पूछे जाने पर बच्चों ने एक स्वर में कहा – Ubuntu. Zulu भाषा में ubuntu का अर्थ है 'मानवता' या 'मैं हूं क्योंकि हम है' (I am because we are)। इस सुन्दर संदेश को अपनाते हुए हम एक साथ आगे बढ़ें – नव वर्ष की अगवानी में, जीवन के हर मकाम पर, हर मंजिल पर।

अमृत महोत्सव निर्झर ममता का

आगामी माह साध्वीप्रमुखाश्रीजी के मनोनयन के 50 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर द्वारा उपहृत अमृत महोत्सव के अनुपम अवसर पर हम सब श्रद्धा एवं उमंग सहित इस महोत्सव का अंश बनें। इस अंक में करणीय कार्य समाहित है। समस्त शाखाएं हर्षोल्लास सहित इसे आयोजित करते हुए अपने श्रद्धासुमन अर्पित करें।

स्नेहाकांक्षी
नीलम सेठिया

अमृत निर्झर

जो भी घटना घटित हो, उसे केवल देखना सीखें, उससे जुड़े नहीं। जो व्यक्ति घटना के साथ खुद को जोड़ लेता है, वह दु:खी बन जाता है और जो केवल द्रष्टा भाव से घटना को देखता है, वह दु:ख मुक्त रहता है।

नारी की सभ्यता बदली है, सोच बदली है। उस सोच को पालना नहीं सजाना है, संवारना है। आगे बढ़ाने के लिए जिस परिवेश, वातावरण, जागरूकता की जरूरत होती है, उसे हासिल करना है। बहनें अपना व्यक्तित्व बनाएं। व्यक्तित्व है तो अधिकार स्वत: प्राप्त होंगे। क्षमताएं बढ़ानी है, अखण्ड व्यक्तित्व का निर्माण करना है।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

शृंखलाबद्ध नीवी

नवम्बर माह में नीवी में सहभागी बनने वाले क्षेत्र

01 नवम्बर	–	उत्तर हावड़ा	94	16 नवम्बर	–	चेन्नै	100
02 नवम्बर	–	फारबिसगंज	51	17 नवम्बर	–	मैसूरु	50
03 नवम्बर	–	गुवाहाटी	105	18 नवम्बर	–	बाड़मेर	65
04 नवम्बर	–	के.जी.एफ.	4	19 नवम्बर	–	जलगांव	48
05 नवम्बर	–	गोगुन्दा	11	20 नवम्बर	–	कालू	51
06 नवम्बर	–	धुबड़ी	60	21 नवम्बर	–	उत्तरपाड़ा	8
07 नवम्बर	–	गौरीपुर	5	22 नवम्बर	–	राजसमन्द	61
08 नवम्बर	–	दिल्ली	313	23 नवम्बर	–	कूचबिहार	13
09 नवम्बर	–	नागपुर	50	24 नवम्बर	–	बोईसर	3
10 नवम्बर	–	विराटनगर, नेपाल	11	25 नवम्बर	–	पाली	120
11 नवम्बर	–	टापरा	20	26 नवम्बर	–	चितौड़गढ़	12
12 नवम्बर	–	सिलिगुड़ी	292	27 नवम्बर	–	हिसार	110
13 नवम्बर	–	बोरावड़	36	28 नवम्बर	–	जोधपुर	100
14 नवम्बर	–	राजाजीनगर, बेंगलुरु	41	29 नवम्बर	–	दलखोला	10
15 नवम्बर	–	ईस्लामपुर	40	30 नवम्बर	–	गांधीनगर, बेंगलुरु	104

नवम्बर माह में कुल नीवी : 1988

नीवी में तिथि आरक्षित करने हेतु शाखाएं Google Form Link : https://forms.gle/i9i2hmwWTQEHa4oVA में विवरण भरें

तत्त्वज्ञान / तेरापंथदर्शन की परीक्षा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्त्वावधान में
आचार्य तुलसी शिक्षा परीयोजना के अन्तर्गत सभी परीक्षा केंद्रों में
तत्त्वज्ञान/तेरापंथदर्शन की परीक्षाओं का आयोजन
शनिवार दि.18 दिसम्बर 2021 व मंगलवार 21 दिसम्बर 2021 को होगा।
आपके क्षेत्र में कोई चारित्रात्माएं परीक्षा देना चाहें तो
निदेशक श्रीमती पुष्पा बैंगानी मो. 9311250290 या
राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया मो. 9312173434
को सूचित करें।

WISDOM WEDNESDAY QUIZ

Wisdom Wednesday का नवीन रूप
3 नवम्बर से Facebook के
माध्यम से प्रारम्भ किया गया है।
प्रति माह प्रथम एवं तृतीय बुधवार को
मध्यान्ह 2 बजे इसका आयोजन किया जाएगा।
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :–
श्रीमती जयश्री जोगड़ मो. 90282 84801
श्रीमती शालिनी लुंकड़ मो. 90252 35772
Facebook Page से जुड़ने हेतु link है
www.facebook.com/abtmmjain/

असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी

के मनोनयन स्वर्ण जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में

अमृत सिंचन

तेरापंथ धर्मसंघ के लिए परम सौभाग्य का विषय है कि साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने प्रमुखा पद पर अपने जीवनकाल के पांच दशक पूर्ण किए हैं। श्री, ही, धी की विशिष्ट सम्पदा से संपन्न; धृति, शक्ति, शांति जैसे गंभीर गुणों से युक्त; नंदी, तेजः, शुक्लः की असाधारण पवित्रता से परिपूर्ण, साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी केवल नारी जाति की ही नहीं अपितु सम्पूर्ण मानव जाति का गौरव हैं। प्रमुखाश्रीजी ने मंडल की तब से अब तक की यात्रा में महिलाओं के विकास एवं बौद्धिकता हेतु अत्यन्त महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रमुखाश्रीजी नारी–उद्धारक, करुणामयी, सरस्वती स्वरूपा, मार्गदर्शक एवं विरल साहित्यकार हैं। प्रमुखाश्रीजी के प्रमुखा पद पर मनोनयन के पचास वर्ष माघ कृष्ण 13 (30 जनवरी 2022) को सम्पन्न हो रहे हैं। मनोनयन अमृत महोत्सव पर सरलता, संस्कार और समर्पण की त्रिवेणी में अभिस्नात् असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री के अभिवन्दना हेतु शाखा मंडलों द्वारा करणीय कार्य :–

भाषण प्रतियोगिता | **क्विज़ प्रतियोगिता** | **कथानक दृश्यांकन** | **आयोजन एवं प्रचार प्रसार**

भाषण प्रतियोगिता

* असाधारण विनय * असाधारण लेखन * असाधारण नेतृत्व
* असाधारण समर्पण * असाधारण पुरुषार्थ

इन विषयों पर प्रमुखाश्रीजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं एवं कन्याओं हेतु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन।
ध्यातव्य है कि वक्ता को किसी एक बिन्दु पर ही वक्तव्य देना है।

क्विज़ प्रतियोगिता

'चैतन्य रश्मि' पुस्तक पर आधारित
क्विज़ प्रतियोगिता का
महिलाओं एवं कन्याओं हेतु
विभिन्न रचनात्मक राउण्ड में आयोजन।

कथानक दृश्यांकन

साध्वीप्रमुखाश्रीजी के जीवन की
किसी एक विशेष घटना पर आधारित
महिलाओं एवं कन्याओं द्वारा कथानक का दृश्यांकन।

आयोजन एवं प्रचार प्रसार

उपरोक्त कार्यक्रम दि. 30 जनवरी 2022 को
अथवा क्षेत्र अपनी सुविधानुसार आयोजन करें।
प्रमुखाश्रीजी के प्रेरणादायी लेख का प्रकाशन
स्थानीय समाचार पत्र/पत्रिकाओं में अवश्य करें।

पूर्ण विश्वास है कि मंडल की बहनें सजगता से प्रमुखाश्रीजी के अभिवन्दना में योगभूत बनेंगी।

असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी

हे चन्द्र ज्योत्सना, तेरी शीतलता, हम सब में भर जाए
रवि सा तेज सुनहरा तेरा अलोकित कर जाए
संकल्पों की भेंट चरण उपहृत कर हम
तेरे पावन दिव्य चरण में अपना शीष धरें हम

अमृतम् कैलेण्डर
51 दिन प्रतिदिन संकल्प

11th Dec 2021 शनिवारीय समायिक एवं तेरापंथ प्रबोध	12th Dec 2021 दो सामायिक	13th Dec 2021 एक घण्टा मौन	14th Dec 2021 रात्रि संवर	15th Dec 2021 पुरिमार्ध (दो प्रहर का चौविहार त्याग)	16th Dec 2021 'ॐ भिक्षु' की 7 माला
17th Dec 2021 प्रहरसी (प्रातः पोरसी)	18th Dec 2021 शनिवारीय समायिक एवं तेरापंथ प्रबोध	19th Dec 2021 पक्खी प्रतिक्रमण	20th Dec 2021 पैंसठिया छन्द का 4 बार जप	21st Dec 2021 मेवे खाने का त्याग	22nd Dec 2021 सचित्त का त्याग
23rd Dec 2021 महाविगय मक्खन एवं शहद का त्याग	24th Dec 2021 चार धान से ज्यादा उपयोग वर्जित	25th Dec 2021 शनिवारीय समायिक एवं तेरापंथ प्रबोध	26th Dec 2021 तीन विगय का त्याग	27th Dec 2021 घर से बाहर खाने का त्याग	28th Dec 2021 कच्चा पानी पीने का त्याग
29th Dec 2021 4 दिशाओं में लोगस्स का ध्यान	30th Dec 2021 जूठा छोड़ने का त्याग	31st Dec 2021 मुखवास सेवन का त्याग	1st Jan 2022 शनिवारीय समायिक एवं तेरापंथ प्रबोध	2nd Jan 2022 पक्खी प्रतिक्रमण	3rd Jan 2022 चीनी खाने का त्याग
4th Jan 2022 बहुबीजी सेवन का त्याग – अंजीर, अनार, भुट्टा आदि	5th Jan 2022 पांच जमीकन्द का त्याग	6th Jan 2022 चार धान से ज्यादा उपयोग वर्जित	7th Jan 2022 11 द्रव्यों से अधिक सेवन का त्याग	8th Jan 2022 शनिवारीय समायिक एवं तेरापंथ प्रबोध	9th Jan 2022 सूर्योदय से सूर्यास्त तक मौन
10th Jan 2022 झूठ बोलने का त्याग	11th Jan 2022 सफेद नमक सेवन का त्याग	12th Jan 2022 चावल सेवन का त्याग	13th Jan 2022 टी.वी. देखने के त्याग	14th Jan 2022 अंकुरित अनाज खाने के त्याग	15th Jan 2022 शनिवारीय समायिक व 'ॐ भिक्षु' की 7 माला
16th Jan 2022 मैदा खाने का त्याग	17th Jan 2022 पक्खी प्रतिक्रमण	18th Jan 2022 रात्रि भोजन त्याग	19th Jan 2022 दिन भर में तीन घण्टे तिविहार	20th Jan 2022 15 मिनट स्वाध्याय	21st Jan 2022 तीन बाल्टी से अधिक पानी के इस्तेमाल का त्याग
22nd Jan 2022 शनिवारीय समायिक एवं तेरापंथ प्रबोध	23th Jan 2022 एकासन	24th Jan 2022 9 बार उपसर्गहर स्तोत्र का पाठ	25th Jan 2022 तीन घण्टे मोबाईल के उपयोग का त्याग	26th Jan 2022 पन्द्रह मिनट महाप्राण ध्वनि	27th Jan 2022 दिन भर में तीन घण्टे चौविहार
28th Jan 2022 महाश्रमण अष्टकम् का पठन	29th Jan 2022 शनिवारीय समायिक एवं तेरापंथ प्रबोध	30th Jan 2022 उपवास या एकासन			

समस्त महिलाएं / कन्याएं इस संकल्प यात्रा में संभागी बन साध्वीप्रमुखाश्रीजी के मनोनयन अमृत वर्ष अभिवन्दना में अपनी आध्यात्मिक भेंट प्रस्तुत करें।

दिसम्बर की रूपांतरण शिल्पशाला

कषाय

.... The doctrine of peace and tranquility ...

क्या होते हैं कषाय ?

कषाय = कष + आय = सांसारिक जीवन + आय

कषाय आत्मा के चरित्र गुणों का घात करते हैं। कषाय युक्त आत्मा संसार में परिभ्रमण करती है और इससे तकलीफों की बढ़ोतरी होती है।

बोलचाल की भाषा में जो विषय आत्मा को कसे या प्रताड़ित करे, उसे कषाय कहते हैं। यदि आत्मा दु:ख का अनुभव करती है तो हम सुखी कैसे रह सकते हैं? इससे हमारा जीवन और हमारे रिश्ते disturbed and stressful रहेगें।

No Entry to Toxic Emotions - कषाय

राग और द्वेष के दस्तक से ही यह दरवाजे खुलते हैं।

Affection or hatred leads to aggravation of कषाय। Toxic Emotions को रोजाना साफ करना आवश्यक है। जरूरत है कषाय के चार द्वारों को बन्द करने की। ध्यान रहे! कषायों को दबाने से नहीं, समझ से, ज्ञान से, अनेकान्तवाद दृष्टिकोण से ही कम किया जा सकता है। कषाय से हमारी सोच, वाणी और व्यवहार तीनों ही प्रभावित होते हैं जिससे हमारा मन, तन और aura दूषित होती है।

Root Causes of कषाय

Iceberg के उदाहरण से समझें

कषाय का आत्मा पर प्रभाव!

क्रोध, मान, माया, लोभ आत्मा का स्वभाव नहीं है। आत्मा बाहरी तत्त्वों के प्रभाव से कुछ समय के लिए प्रभावित होती है, पुन: अपने मूल स्वभाव पर आ जाती है। इस बात को इस प्रकार समझें –

जल का स्वभाव है शीतल रहना। जल को गर्म करने के लिए ताप चाहिए। अधिक गर्म होने से जल भाप बन जाता है और ताप से दूर होते ही पुन: अपने शीतल स्वभाव में आ जाता है। इससे प्रमाणित होता है कि उष्णता जल का स्वभाव नहीं है। इसी तरह कषाय भी आत्मा का स्वभाव नहीं है। बाहरी योग हटते ही आत्मा अपने मूल स्वभाव में आ जाती है।

Effects of कषाय in daily routine

क्रोध – कलह, झगड़े, वाद–विवाद, आत्महत्या, मनोरोग
मान – विघटन, भेदभाव, अपमान, अहंकार, तनाव
माया – अशान्ति, भय, झूठ, स्वार्थीपन, कपट
लोभ – चोरी, रिश्वत, लूटपाट, झूठ

Check Intensity of कषाय

कषायों को उनकी तीव्रता अनुसार 4 प्रकार के बताए गए हैं। आपका कषाय कौन सी श्रेणी में आता है?

श्रेणी	उदाहरण	अवधि
अनंतानुबंधी	पत्थर में पड़ी दरार समान	जन्मों तक
अप्रत्याख्यानी	पृथ्वी में पड़ी दरार समान	एक वर्ष तक
प्रत्याख्यानी	बालू में पड़ी रेखा के समान	चार मास तक
संज्वलन	जल में पड़ी लकीर समान	15 दिवस तक

Solutions to keep a check on कषाय

- अपने आते–जाते कषायों की दैनिक diary बनाएं और introspect करें।
- दिखाए गए iceberg के अनुसार root cause को जानें एवं उन causes को कम करने का प्रयास करें।
- Practice Forgiveness
- Meditation, योग, प्राणायाम।
- इच्छाओं का अल्पीकरण।
- सात्विक भोजन
- Let go attitude

कषायों को दूर करने परिवार, समाज, देश को खुशनुमा बनाएं। इसी के साथ रूपांतरण एक्सप्रेस 'शक्ति' स्टेशन से आगे बढ़ेगी। अगले माह अगले स्टेशन की ओर... शुभम् अस्तु!!!

कन्या मंडल

आहट... उजले कल की संभावनाएं स्वर्णिम पल की

प्यारी कन्याओं,

नया वर्ष अपने साथ नयी उम्मीदें , नए लक्ष्य, नए वादे, नए सपने लेकर आता है। लोग अपने आप से कुछ नए वादे करते हैं और ये कोशिश करते हैं की उन वादों को आने वाले वर्ष में पूरा कर सके। ऐसा माना जाता है की अगर नए वर्ष का पहला दिन अच्छा और खुशी से बीते तो आनेवाला पूरा वर्ष सुखपूर्वक बीतता है। नव वर्ष की अगुवानी सदैव सकारात्मक भावना की लहर से होती है। पुराने नकारात्मक विचारों को छोड़ कर कुछ अच्छा और सुनहरा करने की शुरुआत होती है।

यदि आप के भी कुछ लक्ष्य और कार्य इस वर्ष में नहीं हो पाए हों और आने वाले वर्ष में पूरा करना चाहते हैं तो नव वर्ष पर संकल्प जरूर लें। इन संकल्पों में सबसे आगे की पंक्ति में रखें अपने रिश्तों को, अपनी संस्कृति को, अपनी धरोहर को। अपने दादी या मां से आप संस्कारों की उपयोगी जानकारियां प्राप्त करें और उन्हें हृदय से अपनाएं। अपनी भारतीय और धार्मिक संस्कृति का परचम लहराते रहें।

इस माह इन्हीं रिश्तों के संस्कारों से सुसज्जित करणीय कार्य आपको दिया जा रहा है। इस कार्य से जहां आप अत्यधिक लाभान्वित होंगी, वहीं नव वर्ष में संस्कारों की धरोहर को सुरक्षित रखने हेतु संकल्पित भी हो सकेगी।

अशेष शुभकामनाओं सहित ...

अर्चना भण्डारी

कन्या मंडल प्रभारी, मो. 9810011500

करणीय कार्य

दो पीढ़ियों का मिलन : संस्कारों का हो वपन

दिसम्बर माह में कन्या मंडल एक सेमिनार आयोजित करें जिसमें दादी–पोती की जोड़ी सम्मिलित हो। सेमिनार का उद्देश्य होगा दो पीढ़ियों की दूरी को पाटना एवं आपसी सामंजस्य बिठाना। सेमिनार को दो राउण्ड में विभाजित करें :–

प्रथम राउण्ड – दादी अपने समय की कोई पांच संस्कारों वाली बातें बताए जो आज विलुप्त होती जा रही है।
पोती दादी के जमाने की कोई पांच ऐसी बातें बताए जिनकी आज अपेक्षाएं नहीं है।

द्वितीय राउण्ड – दादी अपनी पोती को पांच ऐसी बातें बताए, जिससे उसका भावी जीवन सुखमय बन सके।
पोती अपनी दादी को पांच ऐसी बातें बताए, जिससे दादी का भावी जीवन सुखमय व्यतीत हो सके।

असाधारण साध्वीप्रमुखा के मनोनयन अमृत वर्ष के उपलक्ष्य में महिला शाखा मंडल को निर्दिष्ट करणीय कार्य एवं संकल्प तालिका में कन्याएं भी अपनी सहभागिता अवश्य दर्ज कर प्रमुखाश्रीजी को अपनी अभिवन्दना व्यक्त करें।

कन्या मंडल हेतु

PERSONAL EXCELLENCE MASTERCLASS JOURNEY

a specially designed course for girls

कन्याओं के overall development के लिए Personal Excellence Masterclass Journey Course का शुभारम्भ हुआ। इस कोर्स से 220 कन्याएं जुड़ी है। प्रथम बैच 19 नवम्बर एवं द्वितीय बैच 25 नवम्बर को प्रारम्भ हुआ। Singapore की विख्यात motivator श्रीमती पूजा तलेसरा भण्डारी द्वारा decision making, crucial conversation, mindset transformation के गहन प्रशिक्षण द्वारा कन्याओं के जीवन में बदलाव लाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। यह journey निश्चित रूप से कन्याओं के जीवन में एक benchmark साबित होगी।

कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भण्डारी के साथ श्रीमती मंजुला डूंगरवाल, श्रीमती मधु कटारिया एवं श्रीमती सुधा नौलखा का श्रम सार्थक हो रहा है।

कन्या सुरक्षा योजना

कन्या सुरक्षा सर्कल नवीन एवं योगक्षेम

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की महत्त्वपूर्ण योजना है कन्या सुरक्षा योजना। इस योजना के अंतर्गत गत वर्षों में कन्या सुरक्षा सर्कल का निर्माण एवं बैंच लगवाने का कार्य कई शाखा मंडलों द्वारा संपादित किया गया। शाखा मंडल की जागरूकता एवं कन्या सुरक्षा अभियान के प्रचार-प्रसार हेतु हार्दिक साधुवाद। अन्य शाखाओं से निवेदन कि अपने क्षेत्र में भी इस कार्य को संपादित करते हुए इस अभियान में योगभूत बनें। इस प्रोजेक्ट का सम्पूर्ण विवरण अभातेममं की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

योगक्षेम

देश भर में जितने भी कन्या सुरक्षा सर्कल का निर्माण हुआ है, उन सभी का योगक्षेम नियमित रूप से करना अत्यन्त आवश्यक है। शाखा मंडलों से अनुरोध है कि निर्मित सर्कल का रख-रखाव एवं सुन्दरता बनाए रखने हेतु इन सर्कल का मुआयना नियमित रूप से करें। आगामी 26 जनवरी 2022 को इन सर्कल पर भारतीय ध्वज फहराने का कार्य करना है, तदर्थ 26 जनवरी 2022 से पूर्व आप अपने सर्कल का योगक्षेम कर लें एवं साफ-सुथरे सर्कल तथा ध्वज फहराने के फोटो प्रभारी को अवश्य भिजवाएं।

* सर्कल/स्तम्भ ग्रेनाइट/मार्बल का बना सकते हैं। * सर्कल/स्तम्भ आप हाईवे, चौराहे, पार्क, अस्पताल, स्कूल, रेलवे स्टेशन, बस अड्डा जैसी उपयुक्त जगहों पर बनाएं। * अनुदानदाता का नाम सर्कल/स्तम्भ पर अंकित न कराएं। * पूर्व में निर्मित सर्कल/स्तम्भ का पहले रख-रखाव करें, उन्हें स्वच्छ बनाएं। * निर्मित सर्कल/स्तम्भ का योगक्षेम करें एवं उसकी फोटो प्रभारी को भेजें। * नए सर्कल/स्तम्भ के निर्माण से पूर्व शाखा मंडल द्वारा पूर्व में निर्मित सर्कल/स्तम्भ का योगक्षेम अति आवश्यक है।

कन्या सुरक्षा सर्कल का प्रारूप

बैंच का प्रारूप

करनी है जीवन की रक्षा
कन्याओं की करो सुरक्षा
तेरापंथ महिला मंडल, ...
ब्रांच : अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

बैंच किसी सार्वजनिक स्थल पर ही लगाएं। बैंच लकड़ी, सीमेन्ट, अल्युमीनियम या स्टील की हो सकती है। सीमेंट या लकड़ी की बैंच पर स्लोगन paint किया जा सकता है एवं अल्युमीनियम या स्टील बैंच पर अल्युमीनियम या स्टील की तख्ती पर ही स्लोगन अंकित करवाएं। स्टीकर का कतई उपयोग न करें।

अधिक जानकारी हेतु
श्रीमती माला कातरेला
मो. 98417 25560
से सम्पर्क करें।

आजादी के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में बाल दिवस को अभातेममं का आगाज

संस्था का प्रयास

फैले 7500 दिव्यांग बच्चों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश

आजादी के अमृत महोत्सव पर महिला मंडल के किया आगाज़ – 'स्नेहम्' का। दिव्यांग बच्चों के प्रति स्नेह धागों से अनुबंधित शाखा मंडलों ने दिव्यांग बच्चों के आवश्यकता अनुरूप पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाई। इस प्रोजेक्ट हेतु पद्मश्री अनुराधाजी कोइराला, अभिनेत्री इन्दिराजी कृष्णन्, अभिनेत्री इशाजी देओल के विडियो द्वारा शुभकामना संदेश प्राप्त हुए। प्रख्यात सोशल वर्कर टिफ्फनी ब्रार से शुभकामनाएं प्राप्त हुई।

संयोजिका श्रीमती नीतू ओस्तवाल के सार्थक श्रम से यह योजना वर्ष भर गतिमान रहेगी। 'स्नेहम्' प्रोजेक्ट के अन्तर्गत नवम्बर माह में शाखाओं द्वारा कृत कार्य:

शाखा	स्कूल/आश्रम का नाम	सामग्री वितरित	गणमान्य उपस्थिति
इस्लामपुर	भीम्बार दृष्टिहीन पाठशाला	नौंवी से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों हेतु 10 सेट ब्रेल किताबें	काजल घोष, स्कूल प्रिंसिपल चंदन सरकार, TMC लीडर मधुमिता त्रिपाठी, President - Airforce Ladies Welfare Wing सुनीता नायर
सूरत	श्रद्धा वेलफेयर एंड ट्रस्ट, अंधजन शाला	कंप्यूटर और म्यूजिक सिस्टम	हेमाली बोधावला, मेयर निधि सेखानी, राष्ट्रीय सहमंत्री रा.का.स. जयंती सिंघी
रायपुर	प्रज्ञा मूक–बधिर विद्यालय एवं छात्रावास	10 श्रवण यंत्र, ब्रेल पाठ्यसामग्री	विकास उपाध्याय, कांग्रेस सचिव एवं विधायक
जोधपुर	नेत्रहीन विकास संस्थान	दूसरी से सातवीं कक्षा के विद्यार्थियों हेतु ब्रेल किताबें, श्रवण यंत्र – 2 एवं अन्य सामग्री	सुशीला बोहरा, सचिव–भ. महावीर विकलांग संस्थान राजेश बोहरा, नेत्रहीन विकास संस्थान मंत्री महावीर चोपड़ा, तेरापंथ सभा के मंत्री उम्मेद राज सिंघवी, निवर्तमान अध्यक्ष
पूर्वांचल कोलकाता	अलकेंदु बोध निकेतन रेजिडेंशियल	प्रोजेक्टर	रमन पटावरी एवं सोनम बागरेचा, बंगाल प्रभारी अनिल ललवानी, स्कूल प्रधान न्यासी श्रेयश्री कुंडू,स्कूल कोऑर्डिनेटर शिबू दत्ता, स्कूल इंचार्ज
उत्तरपाड़ा	लुइस ब्रेल मेमोरियल स्कूल	सातवी से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों हेतु ब्रेल किताबें एवं अन्य सामग्री	निहार चौधरी, नेत्रहीन शतरंज कोच विद्युत पाल, प्रधानाध्यापक
बाड़मेर	श्री सत्य साई एवं अंधमुख बधिर विद्यालय	ब्रेल किताबें एवं सांकेतिक भाषा पाठ्यसामग्री	भामाशाह सोहन गोलेच्छा
सिलीगुड़ी	मातृ छाया	ब्रेल पेपर,की बोर्ड, सोफ्टवेयर, ब्रेल समाचार पत्र प्रारंभ, क्रिकेट किट	विवेक गुप्ता, अध्यक्ष प.बंगाल हिंदी अकादमी दिलीप दुगड़, सदस्य प.बंगाल अल्पसंख्यक आयोग
मैसूरु	Parents Association of the deaf / Ranga Rao of the blind	ब्रेल किताबें एवं सांकेतिक भाषा पाठ्यसामग्री	राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम सेठिया, महामंत्री मधु देरासरिया, रा.का.स. वीणा बैद, शशिकला नाहर, तरुणा बोहरा, अर्चना भंडारी, सुधा नौलखा, मधु कटारिया
अहमदाबाद	अंध कन्या प्रकाश गृह	ब्रेल किताबें एवं सांकेतिक भाषा पाठ्यसामग्री एवं 3 मोबाइल	विजय कोठारी प्रतिभा जैन (महिला बाल विकास आयोग) रा.का.स. अदिति सेखानी दीपिका राठौर (प्रिन्सिपल)

जैन स्कॉलर त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष (प्रथम सत्र) :

1.	संस्कृत	2.	प्राकृत
3.	जैन दर्शन (द्रव्य मीमांसा)	4.	कर्म मीमांसा (भाग–1, 2)

प्रथम वर्ष (द्वितीय सत्र) :

1.	संस्कृत	2.	प्राकृत
3.	जैन दर्शन (ज्ञान मीमांसा)	4.	कर्म मीमांसा

द्वितीय वर्ष (तृतीय सत्र) :

1.	संस्कृत	2.	प्राकृत
3.	भारतीय दर्शन (षड दर्शन)	4.	कर्म मीमांसा

द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सत्र) :

1.	संस्कृत	2.	प्राकृत
3.	षड दर्शन	4.	कर्म मीमांसा

तृतीय वर्ष (पंचम सत्र) :

1.	संस्कृत	2.	प्राकृत
3.	प्रमाण मीमांसा	4.	कर्म मीमांसा

तृतीय वर्ष (षष्टम सत्र) :

1.	संस्कृत	2.	प्राकृत
3.	जैन भूगोल	4.	कर्म मीमांसा

अतिरिक्त कार्यशाला : संस्कृत संभाषण
ब्राह्मी लिपि (प्राच्य लिपि) प्रशिक्षण
Advance जैन स्कॉलर पाठ्यक्रम (त्रिवर्षीय)
Advance Project (based on darshan)
Advance Sanskrit
Advance Prakrit

जैन स्कॉलर परियोजना

युगप्रधान आचार्य श्री तुलसी और आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा देखे गए विकास के अनगिनत सपनों में से एक सपना है – जैन विद्वानों/जैन स्कॉलर्स की लम्बी कतार खड़ी करना। जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय ने इस स्वप्न में रंग भरने का प्रयास प्रारंभ किया। उससे कतिपय साधु–साध्वियों और समणियों का कर्तृत्व उजागर हुआ पर व्यापक रुप में कार्य नहीं हुआ। श्रावक–श्राविकाओं को जैन विद्वान बनाने की यात्रा प्रारंभ नहीं हो पाई।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तेरापंथ दर्शन और तत्त्वज्ञान की गहनयात्रा करने का एक उपक्रम प्रारंभ किया। सन् 2004 में तत्त्वज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन का पंचवर्षीय पाठ्यक्रम तैयार कर परीक्षाओं का सिलसिला शुरु किया गया। आठ वर्ष की कालावधि में प्रशिक्षुओं ने जिस उत्साह और लगन का परिचय दिया तथा गुणवत्ता के साथ आंकड़ों में वृद्धि दर्ज कराई, उससे नई संभावनाओं की पुष्टि हुई है। अब तक सैंकड़ों विद्यार्थी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। तत्त्वज्ञान के प्रति विद्यार्थियों की बढ़ती हुई रुचि, निष्ठा और पुरुषार्थ ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को विश्वास दिला दिया कि गंभीर अध्ययन के अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो विकास के नए क्षितिज उद्घाटित हो सकते है।

समय की मांग, दो–दो युगप्रधान आचार्यों के स्वप्न, आचार्य श्री महाश्रमण की विशिष्ट प्रेरणा और जैन दर्शन के असीम पारावार में गोते लगाने के उत्सुक प्रशिक्षुओं के पुरुषार्थ संवलित उत्साह ने एक नया अभिक्रम प्रारंभ करने का जोश पैदा किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल उसी जोश से अभिप्रेरित होकर आचार्य श्री महाश्रमण के 'षष्ठीपूर्ति' के ऐतिहासिक अवसर पर जैन स्कॉलर परियोजना को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त करता है तथा इस ज्ञानवर्द्धक रचनात्मक उपक्रम से अपने आराध्य की अभिवंदना करना चाहता है।

अर्हताएं

1. जो बहन/भाई तत्त्वज्ञान प्रचेता के छः वर्षीय पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण कर चुके हैं या छठे वर्ष में हैं।

अथवा

2. जो बहन/भाई जैनॉलोजी (जैन विश्वभारती द्वारा लागू किया गया डिग्री पाठ्यक्रम) में बी.ए. या एम.ए. कर चुके हैं या कर रहे हैं।

अथवा

3. जो बहन/भाई जैन–विद्या के नौवें भाग को उत्तीर्ण कर चुके हैं या कर रहे हैं।

अथवा

4. जिन बहन/भाई की वक्तृत्व क्षमता अच्छी है तथा जिन्हें तत्त्वज्ञान की अच्छी जानकारी है तथा अध्ययन पिपासु हैं वे बहन/भाई भी आमंत्रित हैं।
5. उम्र सीमा नहीं है।
6. प्रतिवर्ष सप्त–दिवसीय दो शिविर (कार्यशाला) लाडनूं, जैन विश्व भारती में आयोजित होंगे।
7. जैन स्कॉलर पाठ्यक्रम में प्रवेश से पहले एक सामान्य प्रवेश परीक्षा ली जाएगी, जिसमें आपके वक्तृत्व कौशल, शुद्ध लेखन एवं प्रारंभिक ज्ञान की परीक्षा ली जाएगी।
8. ऑनलाइन अध्ययन यथा संभव कराया जाएगा।
9. विशेष जानकारी के लिए

निदेशिका डॉ. श्रीमती मंजू नाहटा मो. 9433028281
सहनिदेशिका श्रीमती कनक बरमेचा मो. 9328072984
से संपर्क कर सकते हैं।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना

दो फोटो भेजें
जिसमें
एक फोटो
यहां लगाएं

जैन स्कॉलर प्रवेश फॉर्म

1. नाम : .....

2. पता : .....

.....

..... पिन कोड : .....

3. जन्म तिथि : ..... उम्र : .....

4. शैक्षणिक योग्यता : .....

आध्यात्मिक परीक्षा : तत्त्वज्ञान ☐ बी.ए./एम.ए. (जैनोलॉजी) ☐ जैन विद्या विज्ञ धारक ☐

5. फोन नं. : ..... मोबाइल नं. : .....

6. ई–मेल : .....

7. व्यवसायरत : हाँ ☐ नहीं ☐

व्यवसाय का नाम : .....

8. संघीय संस्थाओं से संलग्न है : हाँ ☐ नहीं ☐

संस्था के नाम : .....

हस्ताक्षर : दिनांक :

स्थान :

श्रीमती रत्नी देवी गोठी को श्रद्धांजलि

सरदारशहर निवासी मुंबई प्रवासी श्रीमान सुमतिजी गोठी का परिवार संघ समर्पित एवं श्रद्धानिष्ठ परिवार है। श्री सुमतिजी गोठी की मातुश्री तत्त्वज्ञ श्राविका श्रीमती रत्नी देवी गोठी ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित तत्त्व/तेरापंथ प्रचेता पाठ्यक्रम को आर्थिक संपोषण प्रदान किया है। श्रीमती रत्नी देवी गोठी के देहावसान पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल श्रद्धासिक्त भावों से श्रद्धांजलि अर्पित करता है और दिवंगत की आत्मा के आध्यात्मिक उन्नयन की मंगलकामना करता है।

काव्यामृतम्

असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के मनोनयन अमृत वर्ष के उपलक्ष्य में प्रमुखाश्री द्वारा विरचित 'सांसों का इकतारा' पर आधारित 'काव्यामृतम्' राज्य–स्तरीय प्रतियोगिता का भव्य आगाज़ दि. 17 नवम्बर से हुआ। संयोजिका श्रीमती तरुणा बोहरा तथा समिति सदस्य श्रीमती नीतू ओस्तवाल, श्रीमती निधि सेखानी, श्रीमती वन्दना बरड़िया एवं श्रीमती अनुपमा नाहटा का सराहनीय अथक श्रम रहा। 30 नवम्बर तक चली राज्य–स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन इस प्रकार रहा :

नवंबर	क्षेत्र	निर्णायकगण	शुभकामना/संचालन	विजेता
17	पश्चिम बंगाल	श्री प्रमोद सनाढ्य श्रीमती निशा कोठारी	श्रीमती सोभाग बैद श्रीमती रमण पटावरी	1st : श्रीमती प्रीति सिंघी (उत्तर हावड़ा) 2nd : श्रीमती समता पगारिया (सिलीगुड़ी) 3rd : श्रीमती मनीषा सुराणा (सिलीगुड़ी)
18	राजस्थान (मेवाड़ संभाग)	श्रीमती सत्यवती मौर्य श्रीमती सुमन चपलोत	श्रीमती पुष्पा बेंगानी श्रीमती निर्मला चण्डालिया	1st : श्रीमती सीमा कोठारी (गजपुर) 2nd : सुश्री श्रुति रांका (भीलवाड़ा) 3rd : श्रीमती सीमा चपलोत (राजसमन्द)
19	असम, मेघालय एवं सिक्किम	श्रीमती सोनल जैन श्रीमती सरला भूतोड़िया	श्रीमती कल्पना बैद श्रीमती शिल्पा बैद	1st : श्रीमती सारिका दूगड़ (गुवाहाटी) 2nd : श्रीमती कुसुम बैद (खारुपेटिया) 3rd : श्रीमती सन्ध्या कोठारी (गुवाहाटी)
20	आन्ध्रप्रदेश एवं तेलंगाना नेपाल	श्रीमती मनवीन कौर श्रीमती प्रतिभा जैन	श्रीमती वीणा बैद श्रीमती वन्दना विनायकिया	1st : श्रीमती विभा सुराणा (विशाखापट्टनम) 2nd : श्रीमती प्रेम संचेती (हैदराबाद) 1st : श्रीमती रेणु दुग्गड़ (काठमाण्डू) 2nd : श्रीमती रुचिका जैन (धुलाबाड़ी)
21	तमिलनाडु एवं केरल	श्री सुनील समैया श्रीमती रजनी जैन	श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा श्रीमती सरिता बरलोटा	1st : सुश्री नेहा डूंगरवाल (सेलम) 2nd : श्रीमती हेमा भंसाली (कोयम्बत्तूर) 3rd : श्रीमती सरिता जैन (चेन्नै)
22	गुजरात	श्रीमती हिमांशु सुमत जैन श्रीमती मंजु गर्ग	श्रीमती मंजु भूतोड़िया श्रीमती अदिति सेखानी	1st : श्रीमती पूनम गुजरानी (सूरत) 2nd : श्रीमती अभिलाषा बैद (सूरत) 3rd : श्रीमती रचना हिरण (डूंगरी)
23	कर्नाटक	श्री बी.एल. आच्छा श्रीमती निम्मी गुप्ता	श्रीमती रंजू लूणिया श्रीमती रचना हिरण	1st : श्रीमती अभिलाषा डांगी (विजयनगर) 2nd : श्रीमती अंजलि सुराणा (आर.आर.नगर) 3rd : श्रीमती कान्ता सेठिया (के.जी.एफ.)
24	राजस्थान (मारवाड़ संभाग)	श्री अमित संजय जैन डॉ. प्रणव भारती	श्रीमती विमला दुग्गड़ श्रीमती वन्दना बरड़िया	1st : श्रीमती रीटा मांडोत (पाली) 2nd : श्रीमती श्रेष्ठा लुंकड़ (बालोतरा) 3rd : सुश्री प्रतीक्षा कांकरिया (पचपदरा)
25	ओडिशा	श्री सौरभ सूर्य श्री राकेश जैन 'राही'	श्रीमती मधु देरासरिया श्रीमती संतोष वेदमुथा	1st : श्रीमती नीतू कोठारी (राउरकेला) 2nd : श्रीमती नेहा सिंघी, (बालासोर) 3rd : सुश्री धारिणी सुराणा (भुवनेश्वर)
26	महाराष्ट्र	श्री तनसुखलाल बैद श्रीमती अलका जैन आनंदी	श्रीमती कुमुद कच्छारा श्रीमती जयश्री जोगड़	1st : श्रीमती सुचिता कोठारी (मुंबई) 2nd : श्रीमती संगीता बाफना (पालघर) 3rd : श्रीमती नैना कोठारी (मुंबई)
27	पंजाब एवं हरियाणा	श्री गिरिश पालीवाल 'विद्रोही' श्रीमती रुचि हर्ष	श्रीमती प्रभा घोड़ावत श्रीमती अर्चना भंडारी	1st : श्रीमती सुमन जैन (हांसी) 2nd : सुश्री रक्षिता जैन (जींद) 3rd : सुश्री प्रेक्षा जैन (जींद)
28	उत्तर प्रदेश, दिल्ली एवं मध्य प्रदेश	श्री मुकेश व्यास 'स्नेहिल' श्री अब्दुल सलाम खोखर	श्रीमती सुनीता जैन श्रीमती निधि सेखानी	1st : श्रीमती स्नेहलता बांठिया (बुरहानपुर) 2nd : श्रीमती स्नेहा डागा (दिल्ली) 3rd : श्रीमती सोनिका बेंगाणी (नोएडा)
29	राजस्थान (थली+बीकानेर)	श्री जगदीश मोहन रावत डॉ. रानी तंवर	श्रीमती शान्ता पुगलिया श्रीमती ज्योति जैन	1st : सुश्री सलोनी भटेवरा (ब्यावर) 2nd : सुश्री जयश्री कुंडलिया (सुजानगढ़) 3rd : श्रीमती रेणु बोथरा (बीकानेर)
30	बिहार, छत्तीसगढ़ एवं झारखण्ड	डॉ. मेघा भारती मेघल प्रो. कल्पना गहड़ानी	श्रीमती तारा सुराणा श्रीमती सूरज बरड़िया श्रीमती तरुणा बोहरा	1st : श्रीमती सौम्या लुंकड़ (रायपुर) 2nd : श्रीमती मधुर बच्छावत (रायपुर) 3rd : श्रीमती नीलम बोथरा (फारबिसगंज)

समस्त सेमीफाइनलिस्ट प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई। सेमी फाइनल का आयोजन 15 दिसम्बर 2021 को ऑनलाइन किया जाएगा।

'सफर : संकल्प से सफलता तक' कार्यशाला

गांधीनगर, बेंगलुरु में

दि. 13 नवंबर 2021 को अभातेममं के तत्त्वावधान में साध्वीश्री लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में 'सफर संकल्प से सफलता तक' कार्यशाला तेममं गांधीनगर बेंगलुरु द्वारा आयोजित हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में वृहद् बेंगलुरु स्तरीय कार्यशाला का आगाज़ हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती स्वर्णमाला पोकरना ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उनकी टीम के प्रति मंगलकामनाएं प्रेषित की। साध्वीश्री सिद्धांतश्रीजी, साध्वीश्री दर्शितप्रभाजी ने सारगर्भित वक्तव्य दिए। साध्वीश्री लावण्यश्रीजी ने प्रेरक उद्बोधन प्रदान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने समागत समस्त बहनों के भीतर नव-ऊर्जा का संचार किया। साध्वीप्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन रा.का.स. श्रीमती वीणा बैद ने किया।

प्रथम सत्र का संचालन निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती शांति सकलेचा ने किया एवं उपाध्यक्ष श्रीमती संतोष सोलंकी द्वारा आभार ज्ञापन किया गया। महिला मंडल एवं कन्या मंडल द्वारा सुमधुर गीतिका एवं नाटिका का मंचन किया गया। द्वितीय सत्र में टॉक शो द्वारा प्रायोगिक प्रशिक्षण में सूत्रधार बने महामंत्री मधु देरासरिया एवं निवर्तमान महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा। द्वितीय सत्र का सफल संचालन श्रीमती ज्योति संचेती एवं आभार ज्ञापन सहमंत्री श्रीमती मीना आच्छा ने किया। तृतीय सत्र में Open Forum 'संस्था संचालन' विषय पर चिन्तन एवं प्रश्नोत्तरी द्वारा बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री ने दिया।

कार्यशाला में लगभग 250 से अधिक महिलाओं एवं कन्याओं की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी ने कन्याओं को प्रशिक्षण दिया। रा.का.स. श्रीमती शशिकला नाहर, श्रीमती मधु कटारिया, श्रीमती सरिता गोठी, श्रीमती संतोष गिड़िया, श्रीमती सरला श्रीमाल सहित कई गणमान्य महानुभावों की उपस्थिति में कार्यशाला सानन्द सम्पन्न हुई।

मैसूरु मलनाड मण्डिया स्तरीय

दि. 14 नवंबर 2021 को अभातेममं के तत्त्वावधान में साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी के सान्निध्य में तेममं मैसूरु द्वारा 'उमंग' सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में सम्मेलन का शुभारंभ साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी के मंगल उद्बोधन से हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु दक ने स्वागत किया। सम्मेलन में सफर संकल्प से सफलता तक, मां बेटी का प्यारा रिश्ता, सास बहू संगोष्ठी, संवाद अभातेममं के साथ और कन्या मंडल कार्यशाला 'उड़ान' का स्वतंत्र सत्र रहा। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, कन्यामंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, निवर्तमान महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा, साध्वी डॉ. चैतन्यप्रभाजी, साध्वी डॉ. राजुलप्रभाजी, साध्वी सिद्धियशाजी, साध्वी डॉ. शौर्यप्रभाजी, रा.का.स. श्रीमती वीणा बैद, श्रीमती मधु कटारिया, कन्या मंडल मैसूरु की प्रभारी श्रीमती संतोष कोठारी ने अलग-अलग सत्रों में निर्धारित विषयों पर विचार व्यक्त किए। श्रीमती रेखा पितलिया, श्रीमती सोनल कोठारी, खुशी गुगलिया, श्रीमती खामोश मेहर, श्रीमती ललिता पितलिया, सुश्री दर्शना पोकरना, श्रीमती मधु गुगलिया ने संयोजन का दायित्व निभाया। कन्या मंडल मैसूरु द्वारा लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। स्थानीय मंत्री श्रीमती वनिता बाफना और कन्या मंडल सह-संयोजिका शिल्पा श्रीश्रीमाल ने आभार जताया। सभा मंत्री श्री अशोक दक ने मंगल भावना प्रस्तुत की। मैसूरु, मण्ड्या, मलनाड के इक्कीस क्षेत्रों की महिलाओं एवं कन्याओं ने उपस्थिति दर्ज की। आजादी के अमृत महोत्सव पर 'स्नेहम्' प्रोजेक्ट का आगाज़ किया गया, जिसमें blind स्कूल के अनेक बच्चों को पाठ्यसामग्री वितरित की गई।

राजाराजेश्वरी नगर, बेंगलुरु में

दिनांक 13 नवंबर 2021 को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया अपनी टीम सहित राजाराजेश्वरी नगर तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री कंचनप्रभाजी के दर्शनार्थ पहुंची। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, श्रीमती तरूणा बोहरा, श्रीमती अर्चना भंडारी एवं बेंगलुरु की रा.का.स. टीम भी इस अवसर पर उपस्थित थी। क्षेत्र में पहली बार किसी राष्ट्रीय अध्यक्ष के पधारने पर तेममं आर.आर नगर ने खूब उत्साह, उमंग एवं जोश के साथ संगीतमय भव्य स्वागत किया। तेममं अध्यक्ष श्रीमती लता बाफना ने भावभीना स्वागत करते हुए सम्पूर्ण महिला मंडल की ओर से 1008 मौन पचरंगी की लड़ी भेंट की। स्थानीय मंडल की संपूर्ण टीम एवं सभा-तेयुप के पदाधिकारीगण स्वागत हेतु उपस्थित थे। साध्वीश्री कंचनप्रभाजी, साध्वीश्री मंजुरेखाजी, साध्वीश्री उदितप्रभाजी, साध्वीश्री निर्भयप्रभाजी, साध्वीश्री चेलनाश्रीजी ने प्रेरक उद्बोधन एवं सुमधुर गीतिका से शुभकामना संप्रेषित की।

तेरापंथ महिला मंडल, मैसूरु द्वारा बैंच का उद्घाटन

अभातेममं के तत्वावधान में तेममं मैसूरु द्वारा कन्या सुरक्षा योजना के अन्तर्गत के.आर. हॉस्पिटल में 11 बैंच का उद्घाटन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, रा.का.स. श्रीमती वीणा बैद, श्रीमती तरुणा बोहरा, श्रीमती अर्चना भण्डारी, श्रीमती मधु कटारिया, श्रीमती सुधा नौलखा, स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु दक, श्रीमती वनीता बाफना आदि उपस्थित थे। Medical Superintendent डॉ. बी.एल. ननजुन्ड स्वामी ने मंडल द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। श्री मदनलाल मारू एवं श्री अशोक दक की उपस्थित रही। संचालन श्रीमती संजना गादिया ने किया।

'परचम : केसरिया शक्ति का' कार्यशाला

भीलवाड़ा में

दि. 11 नवम्बर 2021 को आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में एवं अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं भीलवाड़ा द्वारा 'परचम केसरिया शक्ति का' कार्यशाला आयोजित की गई। साध्वीश्री समताप्रभाजी ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि गुरुदेवश्री तुलसी की दूरदर्शिता और गहन सोच ही थी कि घर की चारदीवारी में कैद नारी ने संस्कार एवं संस्कृति का संरक्षण करते हुए आज पूरी दुनिया में अपने विकास का परचम फहराया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने बताया कि हमें पर्यावरण को बचाने के बारे में सोचना चाहिए। प्लास्टिक का कम उपयोग, अधिक पौधारोपण आदि कार्यों से पर्यावरण के क्षेत्र में हमें परिवर्तनीय कार्य करना चाहिए। हर सुधार की शुरुआत घर के भीतर से करें, संस्था से करें। महामंत्री श्रीमती मधु देरासिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि केवल परिधान से हम परचम नही फहरा सकते हैं। हमारा व्यक्तित्व, व्यवहार, परिचय केसरिया बने। परामर्शक श्रीमती लता जैन, सहमंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, रा.का.स. श्रीमती मंजुला डूंगरवाल एवं श्रीमती शालिनी लुंकड़ की उपस्थिति रही। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मीना बाबेल ने स्वागत भाषण दिया। कार्यशाला का कुशल संचालन स्थानीय सहमंत्री श्रीमती मनाली चोरड़िया और श्रीमती प्रेक्षा मेहता ने किया। आभार स्थानीय मंत्री श्रीमती रेणु चोरड़िया ने किया।

विजयनगर , बेंगलुरु में

दि. 13 नवंबर 2021 को अभातेममं के तत्त्वावधान में साध्वीश्री प्रमिलाकुमारीजी के सान्निध्य में तेममं विजयनगर द्वारा 'परचम केसरिया शक्ति का' तथा 'कैसे बनें संस्था के सजग प्रहरी' विषय पर वृहद् कार्यशाला का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया की भी उपस्थिति रही। मंडल ने सुमधुर गीतिका से राष्ट्रीय टीम का स्वागत किया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती प्रेम भंसाली ने अभातेममं के तहत भावना चौका की जानकारी प्रस्तुत की। साध्वीश्री आस्थाश्रीजी ने विषय प्रतिपादन किया। श्रीमती नीलम सेठिया, श्रीमती वीणा बैद, श्रीमती मधु कटारिया, सभाध्यक्ष श्री राजेश चावत, श्री अमित दक, श्रीमती खुशी गांधी आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किये। श्री मंगल कोचर, श्री विकास बांठिया, श्री उम्मेद नाहटा, श्री दिनेश मरोठी एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। सुश्री सोनल पीपाड़ा का सम्मान किया गया। स्थानीय मंत्री श्रीमती सुमित्रा बरड़िया ने मंडल की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। संचालन श्रीमती महिमा पटावरी ने किया। महाश्रमण फिज़ियोथेरेपी सेन्टर के पुनः लोकार्पण के साथ कार्यक्रम सानन्द सम्पन्न हुआ।

हनुमंतनगर, बेंगलुरु में

दि. 13 नवंबर 2021 को अभातेममं के तत्त्वावधान में एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में तेममं हनुमंतनगर द्वारा आयोजित 'परचम केसरिया शक्ति का' कार्यशाला का आयोजन हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती कांता धोका ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, निवर्तमान महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा एवं रा.का.स. श्रीमती शशिकला नाहर ने अपने विचार व्यक्त किए। कन्या मंडल की कन्याओं द्वारा कविता के माध्यम से सुंदर प्रस्तुति दी गई।

तेममं निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती मंजू दक, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती राजुल चोपड़ा, विशिष्ट अतिथि सुश्री एकता जैन आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। सुश्री एकता जैन (Deputy Commissioner of Income Tax) ने अपना परिचय देते हुए नारी सशक्तिकरण के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने संविधान की विस्तृत जानकारी देते हुए छोटे–छोटे टिप्स के माध्यम से महत्त्वपूर्ण जानकारी दी कि केसरिया शक्ति के परचम को कैसे पतंग की तरह लहराना है।

तेममं मंत्री श्रीमती मोनिका गादिया ने आभार ज्ञापन किया। संचालन श्रीमती भावना कोठारी ने किया। कार्यशाला में पदाधिकारी, कार्यकारीणी, कन्या मंडल आदि सदस्य उपस्थित थे।

इचलकरंजी में

दि. 31.10.21 को साध्वीश्री प्रज्ञाश्री जी के सान्निध्य में तेममं इचलकरंजी द्वारा अभातेममं निर्देशित 'परचम केसरिया शक्ति का' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती तरुणा बोहरा और इचलकरंजी नगराध्यक्षा श्रीमती अलका स्वामी की उपस्थिति रही।

साध्वीश्री प्रज्ञाश्रीजी के मंगल उद्बोधन पश्चात् मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती तरुणा बोहरा का वक्तव्य रहा। साध्वीश्री सरलप्रभाजी ने वक्तव्य एवं साध्वीश्री विनयप्रभाजी और साध्वीश्री प्रतीकप्रभाजी ने गीतिका प्रस्तुत की। तेममं अध्यक्ष और रा.का.स. श्रीमती जयश्री जोगड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. राकेश बोहरा ने कोविड के टीकाकरण करने का आह्वान किया।

सभाध्यक्ष श्री महावीर आँचलिया, तेयुप अध्यक्ष श्री मुकेश भंसाली, अभातेयुप रा.का.स. श्री संजय वैद मेहता, श्रीमती सलोनी ढेलड़िया ने मंगलकामना संप्रेषित की। मंत्री श्रीमती प्रज्ञा आँचलिया ने आभार ज्ञापन किया। संचालन श्रीमती रजनी देवी पारख ने किया। जयसिंगपुर महिला मंडल के भी सदस्य उपस्थित थे।

गुरु चरणों से आगाज़ भावी योजनाओं का एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति की प्रथम बैठक भीलवाड़ा में

अभातेममं की वर्ष 2021– 23 की प्रथम बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में दि. 9 नवम्बर को भीलवाड़ा में आयोजित हुई। मीटिंग से पूर्व चीफ ट्रस्टी श्रीमती सोभाग बैद, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया के साथ संपूर्ण कार्यकारिणी टीम ने आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन कर उनके श्रीमुख से मंगल पाठ श्रवण किया।

श्रीमती नीलम सेठिया ने आचार्यश्री के सम्मुख विज़न मिशन इंद्रधनुष की रूपरेखा बताते हुए अभातेममं की आगामी गतिविधियों की जानकारी निवेदित की। कार्यकाल की प्रथम 'नारीलोक' की प्रति श्रीचरणों में भेंट करते हुए शृंखलाबद्ध प्रतिदिन नीवी के प्रारंभिक माह में मंडलों द्वारा 6000 से अधिक नीवी होने की जानकारी निवेदित की।

असाधारण साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के मनोनयन वर्ष के उपलक्ष्य में अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रमुखाश्रीजी द्वारा रचित काव्य संग्रह 'सांसों का इकतारा' व 'धूप छांव' की कविताओं पर एक प्रतियोगिता 'काव्यामृतम्' के आयोजन की जानकारी भी निवेदित की।

अध्यक्ष ने 'स्नेहम्' प्रोजेक्ट के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के अध्ययन के बारे में विस्तार से जानकारी निवेदित करते हुए बताया कि दिव्यांग बच्चों को सहायक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी जिससे वे बच्चे भी देश के स्वर्णिम भविष्य के निर्माण में अपना सहयोग प्रदान कर सकें। इसका आगाज़ 14 नवंबर बाल दिवस पर करने के बाद सम्पूर्ण वर्ष यह प्रोजेक्ट निरन्तर गतिमान रहेगा। इसका पोस्टर श्रीचरणों में निवेदित किया गया।

कन्या मंडल के लिए समायोजित Personal Excellence Masterclass Journey का पोस्टर भी श्रीचरणों में निवेदित किया गया।

तत्पश्चात कार्यसमिति सदस्यों ने असाधारण साध्वीप्रमुखाजी के दर्शन किए। मातृहृदया साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने फरमाया कि महिला मंडल की टीम बहुत ही सुंदर और सशक्त है और वह बहुत ही अच्छा कार्य कर रही है, उन्हें किसी की नजर ना लग जाए। इस ममतामयी वाक्य ने महिला मंडल की सभी बहनों को गद्गद् कर दिया। कार्यसमिति की बहनों में नव ऊर्जा का संचार हुआ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने साध्वीप्रमुखाश्रीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की एवं महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने संस्था के आगामी कार्यक्रमों से अवगत करवाया। सभी योजनाओं के पोस्टर निवेदित किए गए।

आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी के संपोषण से मंडल की जड़ें सदा हरी–भरी रहती है। साध्वीश्री कल्पलताजी के प्रेरक उद्बोधन से अभातेममं की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों के भीतर ऊर्जा का संचार किया, जिससे सभी अपने दायित्व के प्रति अधिक सजग हुए।

समन्वय संगठन Virtual Meet

अभातेममं के वर्ष 2021– 2023 के विज़न–मिशन को शाखाओं द्वारा क्रियान्वयन किए जाने हेतु राज्य–स्तरीय संगठन Virtual Meet की शुरुआत की गई। आयोजित बैठकों में शाखाओं को करणीय कार्य का सम्पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया गया। शाखाओं द्वारा इन विज़न को मूर्त रूप देने हेतु कार्यविधि भी स्पष्ट की गई। असाधारण साध्वीप्रमुखा के मनोनयन अमृत महोत्सव पर करणीय कार्य की रूपरेखा भी प्रदान की गई। अभातेममं के अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया एवं महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया सहित क्षेत्रीय प्रभारी तथा शाखा मंडल के जागरूक सदस्यों की उत्साहित उपस्थिति रही।

ओडिशा
19 नवम्बर 2021

- राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम सेठिया की अध्यक्षता
- महामंत्री मधु देरासरिया की उपस्थिति
- क्षेत्रीय प्रभारी इन्दिरा लुणिया की उपस्थिति
- 15 शाखाओं की सहभागिता

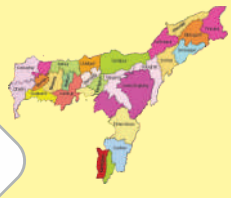

असम
23 नवम्बर 2021

- राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम सेठिया की अध्यक्षता
- महामंत्री मधु देरासरिया की उपस्थिति
- क्षेत्रीय प्रभारी सुचित्रा छाजेड़ की उपस्थिति
- 16 शाखाओं की सहभागिता

तमिलनाडु
केरल
24 नवम्बर 2021

- राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम सेठिया की अध्यक्षता
- महामंत्री मधु देरासरिया की उपस्थिति
- क्षेत्रीय प्रभारी माला कातरेला मंजुला डूंगरवाल की उपस्थिति
- 19 शाखाओं की सहभागिता

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

दिसम्बर 2021

सन्दर्भ पुस्तक : चैतन्य रश्मि कनकप्रभा (पृष्ठ संख्या 233 से 253)

अंकों में उत्तर दें

01. साध्वी श्री जसूजी को कितने दिन का संथारा आया ?
02. साध्वी श्री चम्पाजी को कितने दिन का संथारा आया ?
03. साध्वी श्री सजनांजी को कितने दिन का संथारा आया ?
04. साध्वी श्री सजनांजी ने उम्र के कितने वर्ष पार कर लिए थे ?
05. आचार्य श्री भिक्षु के युग में साध्वी श्री मघांजी को कितने दिन का संथारा आया ?
06. आचार्य श्री तुलसी के युग में साध्वी स्वर्णलताजी को कितने दिन का संथारा आया ?
07. संलेखना – संथारे के कौन से दिन लुंचन किया ?
08. राणावास : अणुव्रत समिति का वार्षिक अधिवेशन कौन से सन् में हुआ ?
09. राजधानी दिल्ली : रामलीला मैदान में जय निर्वाण–शताब्दी का भव्य आयोजन कौन से सन् में हुआ?
10. राजसमन्द में त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का आयोजन कौन से सन् में हुआ ?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. साध्वी श्री प्रमोद श्री जी बीदासर के लिंगा परिवार व पड़िहारा के ..... परिवार से संबद्ध थी।
12. वयोवृद्ध साध्वी श्री पन्नाजी ..... की थी।
13. साध्वी श्री चम्पाजी संघ–निष्ठ, आचार–निष्ठ ..... और मिलनसार साध्वी थी ।
14. लाडनूं ..... क्षेत्र है ।
15. इनकी सिद्ध भगवान से ..... लगवा दो।
16. आपकी मर्जी हो तो ..... विधि से लोच करवा दे।
17. तेरापंथ धर्मसंघ को ..... महिमा–मंडित करने वाले है।
18. साध्वी श्री कमलूजी ने कहा – 'लगता है श्रेयस्करीजी की आत्मा ..... है।'
19. गुरु कृपा से मेरे साथ दो–दो ..... चलते हैं।
20. अरुणिमा गुरु–दर्शनों की है ..... में।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें – संयोजिका श्रीमती निर्मला चण्डालिया, मुंबई

मो. 9819418492, Email : nirmalachandaliya@gmail.com

Google Form Link : https://forms.gle/oreJUdmj3wvTqxgz5

नवम्बर 2021 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

1. अमृतोपम	2. आग्रह– विग्रह	3. 1914	4. सवा सौ वर्ष	5. महाग्रंथ
6. शांति निकेतन	7. शुभप्रभाजी	8. ध्यानी	9. आडसर	10. कमलश्रीजी
11. प्रोग्रेसिव	12. प्रशासनिक	13. 50 दिवस	14. लाडनूं	15. महात्मा गाँधी
16. चित्रलेखा जी	17. मोमासर	18. सहिष्णुता की प्रतिमूर्ति	19. कमलूजी ने	20. दिव्य तपस्विनी

नवम्बर 2021 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. कमलेश जैन, तोशाम
2. रेखा जैन, उचाना मण्डी
3. भारती धाकड़, बान्द्रा, मुंबई
4. पिंकी संकलेचा, अहमदाबाद
5. संगीता चपलोत, चितौड़गढ़
6. प्रेमा बोकड़िया, पूर्वांचल कोलकाता
7. कमला बैद, नोएडा
8. बिन्दु छाजेड़, गंगाशहर
9. ललिता अबानी, सूरत
10. सरोज बैद, हैदराबाद

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्रदत्त अनुदान

समस्त अनुदानदाताओं का हार्दिक आभार

₹1,11,000 तेरापंथ महिला मंडल बेंगलुरु, गांधीनगर	₹1,00,000 श्रद्धानिष्ठ श्रावक स्व. डालमचंदजी सुराणा की पुण्य स्मृति में अभातेममं की संरक्षिका नारी रत्न श्रद्धा की प्रतिमूर्ति तारादेवी, सुरेन्द्र-अनिता, नरेन्द्र-सरला, देवकृष्ण सुराणा द्वारा सप्रेम भेंट	₹1,00,000 तेरापंथ महिला मंडल बेंगलुरु, विजयनगर	₹51,000 श्री दौलत श्रीमती सरिता डागा (जयपुर) भावना सेवा में	₹51,000 श्रीमती विमला दुगड़ (जयपुर) कान्तिकुमार दुगड़ मेमोरियल ट्रस्ट जयपुर द्वारा
₹51,000 श्रीमती पुष्पा-नरपत बैद के पुत्र-पुत्रवधू श्री निखिल-विभा बैद (लाडनूं-जयपुर) के पुत्री ताशी के जन्मोत्सव पर सप्रेम भेंट	₹51,000 तेरापंथ महिला मंडल शिलोंग	₹51,000 श्री बजरंग श्रीमती लता जैन (बेंगलुरु)	₹51,000 श्रीमती सरिता गौठी (बेंगलुरु)	₹51,000 तेरापंथ महिला मंडल बेंगलुरु, हनुमंतनगर
₹31,000 श्री अशोक श्रीमती सूरज बरड़िया (सरदारशहर-कोलकाता)	₹31,000 श्री मोहन श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा (जयपुर)	₹31,000 तेरापंथ महिला मंडल मैसूरु	₹31,000 स्व. श्रीमती विजयादेवी बैद की स्मृति में श्रीमती राखी बैद श्रीमती अभिलाषा बैद (सूरत-लाडनूं)	₹31,000 श्री हंसराज शारदा डागा (गंगाशहर) भावना सेवा हेतु

₹21,000	श्री मदनलाल श्रीमती पिस्ताबाई दक, मैसूरु	₹21,000	श्री बालचन्द रमेश श्रीमती सुधा नोलखा, मैसूरु
₹21,000	तेरापंथ महिला मंडल, पटना द्वारा रजत जयंती पर	₹21,000	गुप्त अनुदान
₹5,100	तेरापंथ महिला मंडल, जयगांव – भावना सेवा में	₹5,100	श्रीमती संगीता भेरूलाल पितलिया, मैसूरु
₹5,100	श्रीमती कान्ता कमलेश भण्डारी, मैसूरु		

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

महामंत्री कार्यालय
मधु देरासरिया
5/C मेघसरमन अपॉर्टमेन्ट
टॉवर नं. 1, सीटीलाइट
सूरत 395 007. (गुजरात)
मो. 9427133069
Email : madhujain312@gmail.com

नारीलोक
देखने हेतु
www.abtmm.org
www.facebook.com/abtmmjain/
https://bit.ly/youtubeabtmm

कोषाध्यक्ष कार्यालय
रंजु लुणिया
लुणिया मार्केटिंग प्रा. लि.
बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास
शिलोंग 793 001. (मेघालय)
मो. 9436103330
Email: lmplshillong@gmail.com